an>

Title: Regarding unutlised army firing range in Jodhpur city.

**श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) :** माननीय अध्यक्ष जी, आजादी से पहले जो जोधपुर राज्य की सेनाएं थीं, उन सेनाओं ने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध दोनों में बहुत सराहनीय काम किया था। उस समय के कई सारे मोन्यूमेंट्स जोधपुर में बने हुए हैं। आजादी के पहले के जोधपुर शहर के बाहर उस समय जो बाड़ हुआ करती थी, अब जोधपुर शहर के बीच में एक फायरिंग रेंज आई हुई है। उस फायरिंग रेंज के बीच में से आजादी से पहले से एक रास्ता था। जिस रास्ते से गांव के लोग अपने खेतों की तरफ जाते थे और वह रास्ता रेवेन्यू रिकार्ड में भी रास्ते के रूप में दर्ज है। वर्तमान में अभी पिछले कुछ दिनों में सेना के अधिकारियों ने उस रास्ते के ऊपर दस फीट ऊंची मिट्टी की दीवार बना दी है। यह फायरिंग रेंज को प्रोटैक्ट करने के लिए बनाई गई है। लेकिन उसके कारण से रेवेन्यू रास्ता बंद हो गया है। रास्ते के साथ साथ जो पीने के पानी की पाइप लाइन डाली हुई थी, वह पाइप लाइन भी उन्होंने तोड़ दी है, सीवर लाइन भी उन्होंने तोड़ दी है और साथ ही साथ जो नैचुरल पानी के बहने का रास्ता था, यानी बरसात के पानी के बहने का जो रास्ता था, उस रास्ते को भी सेना के लोगों ने बंद कर दिया है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करते हुए यह निवेदन करना चाहता हूं क्योंकि बरसात का सीजन आने वाला है, इस समस्या का तुरंत समाधान कराया जाए ताकि जो सैंकड़ों और हजारों लोग एवं किसान उस क्षेत्र में निवास करते हैं, जिनके घर डूबने का खतरा इस कारण से खड़ा हो गया है, उनको इस समस्या से निजात मिल सके। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री देवजी एम. पटेल और

श्री विनोद खन्ना को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।